शिकंजा ▶ जांच अधिकारियों को शक, हिंसा की तैयारी करने के बाद ही जाफराबाद रोड को जाम किया गया

दंगाइयों के आइएसआइ कनेक्शन की होगी जांच

ताहिर हुसैन के घर समेत कइयों के पास से पुलिस को आपत्तिजनक सामान मिला

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

यमुनापार में शांति बहाली के साथ ही एसआइटी ने दंगे की जांच को और तेज कर दिया है। क्राइम ब्रांच को हिंसा के अब तक जो सबूत मिले हैं, उनमें बाहर से आए लोगों द्वारा हिंसा किए जाने की बात भी सामने आई है। इस बीच दंगे में मिली बड़ी गुलेल के वर्षों पूर्व आइएसआइ द्वारा प्रयोग किए जाने की बात भी सामने आई है। ऐसे में अब क्राइम ब्रांच दंगे का आइएसआइ कनेक्शन भी खंगालेगी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली दंगे में जो बड़ी गुलेल मिली है, उस तरह की गुलेल का प्रयोग वर्षों पूर्व अटारी व फिरोजपुर सीमा पर स्मैक व दूसरे नशीले पदार्थों की तस्करी में होता था। इस तरह की गुलेल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ की देन थी। लेकिन उत्तर-पूर्वी जिले में हुई सांप्रदायिक हिंसा में भी इस तरह की गुलेल घातक हथियार बनी। उपद्रवियों ने टायर, ट्यूब व रबड़ से बनी इस गुलेल का प्रयोग पत्थरों, ज्वलनशील पदार्थों की मार को दूर तक पहुंचाने के लिए किया। उत्तर-पूर्वी जिले में जिस तरह से दंगे हुए एसआइटी को शक है कि कहीं हिंसा करने की तैयारी पहले से तो नहीं थी। तभी ताहिर हुसैन के घर समेत कइयों के पास से पुलिस को आपत्तिजनक सामान मिला। जांच अधिकारियों को यह भी शक है कि हिंसा की पूरी तैयारी करने के बाद ही मुस्तफाबाद मेट्रो स्टेशन के पास जाफराबाद रोड को जाम किया गया ताकि विरोध करने पर वह अपनी साजिश को अंजाम दे सकें।

हत्या के मामलों की एसआइटी पहले कर रही जांच : उत्तर-पूर्वी जिले में हुई सांप्रदायिक हिंसा के मामले में क्राइम ब्रांच ने जहां दंगाइयों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। वहीं सबसे पहले हत्या के मामलों की जांच की जा रही है। दंगे के अब तक कुल 167 केस दर्ज किए जा चुके हैं, 36 केस आर्म्स एक्ट की धारा में दर्ज किए गए। वहीं हत्या की धाराओं में 42 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें सात मामले फिलहाल क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किए गए हैं। इस बीच 885 उपद्रवियों की धरपकड़ की जा चुकी है। दिल्ली पुलिस प्रवक्ता मंदीप सिंह रंधावा के मुताबिक हालात पूरी तरह नियंत्रण में है। शनिवार को दंगे की कोई कॉल पुलिस कंट्रोल रूम को नहीं मिली। जांच के लिए भजनपुरा व खजूरीखास दो थानों में क्राइम ब्रांच ने अस्थायी कार्यालय बनाए हैं। तीन दिनों तक हुई हिंसा की सभी थाना क्षेत्रों की पुलिस ने वीडियोग्राफी कराई थी ताकि उसके जरिये दंगाइयों की पहचान की जा सके। सभी थानों के पास दंगाइयों की पर्याप्त तस्वीरें हैं। एसआइटी स्थानीय थाना पुलिस के साथ मिलकर जल्द उनकी पहचान करेगी ताकि दंगे में उपद्रव करने वालों को दबोचा जा सके। पुलिस स्थानीय लोगों से भी सीसीटीवी फुटेज मुहैया कराने का अनुरोध कर रही है।

ताहिर की तलाश में दी जा रही हैं दबिशें : अंकित शर्मा हत्याकांड में दयालपुर थाना पुलिस ने आप के निलंबित निगम पार्षद ताहिर हुसैन को नामजद आरोपित बनाया है। घटना के बाद से वह फरार है और फोन भी बंद आ रहा है। गोलियां चलाने का आरोपित शाहरुख भी फरार है। पुलिस दोनों की तलाश में कई जगह दबिश दे चुकी है। पहले पुलिस को उसे गिरफ्तार करने की अनुमति नहीं मिली थी और इसका फायदा उठाकर वह परिवार सहित फरार हो गया। क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक एसआइटी पहले अंकित शर्मा व रतन लाल हत्याकांड समेत पेट्रोल पंप, नर्सिंग होम व स्कूल आदि पर फोरेंसिक टीम के साथ जाकर नमूने उठाने का काम कर रही है। यहां से जल्द इसलिए नमूने उठाने का काम कर रही है, ताकि दंगाइयों के बारे में सुबूत मिल सके। जैसे-जैसे दंगे के केस क्राइम ब्रांच में ट्रांसफर किए जाएंगे एसआइटी उस पर जांच शुरू कर देगी।

किसी दंगाई को बख्शा नहीं जाएगा : एसएन श्रीवास्तव

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : अमूल्य पटनायक के सेवानिवृत्त होने के बाद यूनियन टेरिटरी (यूटी) कैडर के 1985 बैच के वरिष्ठ आइपीएस सच्चिदानंद (एसएन) श्रीवास्तव ने शनिवार दोपहर दिल्ली पुलिस आयुक्त का अतिरिक्त पदभार संभाल लिया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि किसी भी दंगाई को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का पूरा ध्यान हिंसा प्रभावित क्षेत्र पर है। किसी भी सूरत में दोबारा स्थिति बिगड़ने नहीं दी जाएगी। मालूम हो कि भीषण दंगे पर तत्काल काबू पाने के लिए गृह मंत्रालय ने प्रतिनियुक्ति पर सीआरपीएफ में तैनात एसएन श्रीवास्तव को गत 25 फरवरी को दिल्ली पुलिस में लाकर वरिष्ठ विशेष आयुक्त कानून एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी थी। श्रीवास्तव ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। प्रयास रहेगा कि यहां पूरी तरह सांप्रदायिक सौहार्द कायम रहे। वैसे भी दिल्ली में सभी संप्रदाय के लोग मिलजुल कर रहते आए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि पुलिस की हरसंभव मदद करें।

एनएचआरसी ने जांच के लिए बनाईं दो टीमें

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने दिल्ली में और विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी जिले में हिंसा का संज्ञान लिया है। एनएचआरसी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि मीडिया से आ रही खबरों में हालात बयां हो रहे हैं। ऐसे में एनएचआरसी के महानिदेशक (जांच) को दो टीमें बनाने के लिए कहा गया है, जो तथ्य खोजने का काम करेंगी। साथ ही मानव अधिकारों के हनन की भी जांच की जाएगी। इन घटनाओं के कारण जिनके अधिकारों का हनन हुआ है, उनसे बातचीत कर तथ्य जुटाए जाएंगे।

'भड़काऊ भाषण देने वालों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को दिल्ली में हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि भड़काऊ भाषण देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उत्तर पूर्वी दिल्ली में स्थिति की गंभीरता को समझने में पुलिस से चूक हुई है। दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह से सजा मिलने पर चुनाव लड़ने से रोक है, उसी तरह से भड़काऊ भाषण देने वालों को भी चुनाव लड़ने से वंचित किया जाना चाहिए।

छह रनवे का बनेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- प्राधिकरण बोर्ड ने दी एयरपोर्ट के विस्तार को मंजूरी
- पहले चरण में दो रनवे का निर्माण 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य

जेवर में बनने वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अब छह रनवे का बनाया जाएगा। प्रथम चरण में दो रनवे का निर्माण 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शेष चार रनवे का निर्माण दूसरे व तीसरे चरण में होगा। यमुना प्राधिकरण बोर्ड ने एयरपोर्ट के विस्तार को मंजूरी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले को स्वीकार कर लिया। गत दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा एयरपोर्ट को भारत और एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट (छह रनवे) बनाने की घोषणा की थी।

देश में फिलहाल तीन रनवे का एयरपोर्ट संचालित है। एयरपोर्ट के लिए यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन 1334 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर प्रदेश सरकार को सौंप चुका है। एयरपोर्ट के निर्माण की सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। स्विटजरलैंड की कंपनी ज्यूरिख इसका निर्माण करेगी। सभी विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल चुके हैं। अब सिर्फ एयरपोर्ट का शिलान्यास होना बाकी है। संभावना है कि मार्च में कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट के निर्माण की आधारशिला रख सकते हैं।

शनिवार को यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक हुई। प्राधिकरण सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्रथम चरण का निर्माण पूरा होने के बाद दूसरे चरण के लिए करीब तीन हजार हेक्टेयर भूमि और अधिगृहीत की जाएगी। इसके लिए प्रदेश सरकार ने अपने बजट में दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान जेवर एयरपोर्ट के लिए किया है। इतनी ही धनराशि नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण संयुक्त रूप से देंगे। इस धनराशि से दूसरे चरण के निर्माण के लिए जमीन अधिगृहीत की जाएगी। प्रथम चरण के निर्माण पर करीब पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। दूसरे व तीसरे चरण के निर्माण के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की जिम्मेदारी कंसलटेंट कंपनी पीडब्लूसी को दी गई है। तीन माह के अंदर वह अपनी रिपोर्ट देगी। इसके बाद दूसरे व तीसरे चरण का काम शुरू हो जाएगा।

मंदिर में शरण देकर मुस्लिम परिवार की बचाई जान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

इंसानियत

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक दंगों के दौरान भी कई जगह लोगों ने एकता और भाईचारे की मिसाल कायम की। पति के साथ लौट रही एक गर्भवती महिला और उसके परिवार को कुछ महिलाओं ने मंदिर में शरण देकर उनकी जान बचाई।

सादतपुर विस्तार निवासी तारा नेगी ने बताया कि मंगलवार को हिंसा के दौरान एक मुस्लिम परिवार हिंसक भीड़ के सामने आ गया। दंगाइयों ने उनकी मोटर साइकिल को आग में झोंक दिया और महिला के पति के साथ मारपीट करने लगे। किसी तरह यह परिवार दंगाइयों के बीच से निकलकर कॉलोनी में गौरी शंकर मंदिर की ओर भागा। वहां कुछ महिलाओं ने गर्भवती महिला, पति व दो साल के बेटे को मंदिर में बंद कर दंगाइयों से बचाया। साथ ही नेगी ने बताया कि इस हादसे के दौरान पीड़ित मुस्लिम परिवार को क्षेत्र की महिलाओं ने अपनी जान की परवाह न करते हुए दंगाइयों से करीब चार घंटे सुरक्षित रखा। आखिर में पुलिस को फोन कर बुलाया और परिवार को सौंप दिया। नेगी ने बताया कि परिवार काफी डरा हुआ था। किसी ने उनका नाम तक नहीं पूछा। महिला के गर्भ को आठ माह से ज्यादा हो चुके थे, वह काफी तकलीफ में थी। मंदिर में महिलाओं ने उसे हर तरह से संभाले रखा और सुरक्षित निकलने में मदद की।

चांद बाग पर लगने न दिया हिंसा का ग्रहण : चांद बाग के पास वजीराबाद रोड और करावल नगर रोड भी दंगों की आग में तबाह हो गया, लेकिन हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर चांद बाग पर हिंसा का ग्रहण लगने नहीं दिया। लोगों ने मिलकर दंगाइयों का सामना किया और उनको मनमानी नहीं करने दी।

सगी बहनों की तरह हैं नजमा और राजबाला : यहां रहने वाली नजमा और राजबाला सगी बहन जैसी हैं। दोनों पड़ोसनों में इतनी मोहब्बत है कि खाना साथ खाने से लेकर मार्केट से सब्जी तक साथ लेकर आती हैं। करावल नगर रोड पर दंगा हो रहा था, दहशत से राजबाला का रक्तचाप बढ़ गया। लग रहा था अस्पताल में भर्ती करवाना होगा। नजमा ने उसको छत के जरिए अपने घर में बुलाया और उन्हें तसल्ली दी। तब जाकर वह सामान्य हुईं।

हिंसा के विरोध में निकाला शांति मार्च

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न इलाकों में हुई हिंसा की घटनाओं के विरोध में शनिवार को जंतर-मंतर पर श्रद्धांजलि सभा की गई और शांति मार्च निकाला गया। इसमें पूर्व सैन्य अधिकारियों, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग और भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने पुलिस के हेड कांस्टेबल रतन लाल, आइबी के कांस्टेबल अंकित शर्मा को श्रद्धांजलि दी।

जंतर-मंतर से शुरू यह शांति मार्च जनपथ, कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल होते हुए संसद मार्ग पहुंचा। इसका आयोजन करने वाले दिल्ली पीस फोरम के संयोजक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) वीके चतुर्वेदी ने कहा कि कुछ लोग इस दंगे के लिए नेताओं के भाषण को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि दंगों को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया ताकि देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल की जा सके। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के भारत दौरे के दौरान सीएए के विरोध के नाम पर हिंसा की गई। साफ है कि यह अमेरिका को दिखाने के लिए किया गया। उन्होंने शाहीन बाग में धरने के कारण सड़क बंद होने पर लोगों को होने वाली परेशानी का भी मुद्दा उठाया साथ ही सड़कों खाली कराने की मांग की।

दिल्ली में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ लोगों ने जंतर-मंतर से संसद तक तिरंगे के साथ शांति मार्च निकाला। इसमें पीड़ित परिवार शामिल हुए। इसके जरिये उन्होंने शहीद कांस्टेबल रतन लाल, आइबी कर्मी अंकित शर्मा और मारे गए स्थानीय निवासी विनोद कश्यप को श्रद्धांजलि भी दी। ध्रुव कुमार

'दिल्ली पुलिस कर रही एकपक्षीय कार्रवाई, सुप्रीम कोर्ट दे दखल'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : कांग्रेस ने दिल्ली की हिंसा को लेकर पुलिस पर एकपक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाया है और सुप्रीम कोर्ट से दखल देने की मांग की है। इसके साथ ही पार्टी ने कोर्ट से हिंसा को लेकर दर्ज होने वाले सभी मामलों की जांच के लिए न्यायमित्र नियुक्त करने की मांग भी की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि दिल्ली पुलिस तमाम ऐसे लोगों के खिलाफ भी मुकदमें दर्ज कर रही है जो पहले से प्रताड़ित हैं। उन पर ऐसी धाराएं लगाई जा रही हैं जिसमें जमानत नहीं दी जा रही है। लेकिन सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है। उन्होंने इस दौरान सवाल किया कि भाजपा नेताओं के भाषण नफरत भरे नहीं थे तो फिर किसके थे? उन्होंने दिल्ली हिंसा मामले में सबसे पहले भाजपा नेताओं पर केस दर्ज करने की बात कही। साथ ही कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में दखल देना चाहिए और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। आनंद शर्मा ने इस दौरान अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि जीडीपी के तीसरे तिमाही के जो आंकड़े सामने आए है, वे चिंताजनक हैं।

जेवर में एयरपोर्ट के समीप बसेगी स्मार्ट सिटी

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- तीन किमी के दायरे में बसाई जाएगी 50 फीसद क्षेत्रफल हरित रखा जाएगा
- छह माह के अंदर इसकी विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार हो जाएगी

जेवर में प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के तीन किमी के दायरे में एक और नया शहर बसेगा। इसको स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर की सभी जनसुविधाएं से लैस यह देश के पांच स्मार्ट सिटी में से एक होगा। प्राधिकरण बोर्ड ने इसे मंजूरी देते हुए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। डीपीआर तैयार होने के बाद जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए यमुना प्राधिकरण सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि देश में पांच स्मार्ट सिटी बनाने का फैसला पूर्व में केंद्र सरकार ने लिया था। एक स्मार्ट सिटी जेवर क्षेत्र में एयरपोर्ट के तीन किमी के दायरे में बसाई जाएगी। इसमें 50 फीसद क्षेत्रफल हरित रखा जाएगा। खुला क्षेत्र, चौड़ी सड़कें व बड़े-बड़े पार्क होंगे। शहर पूरी तरह ईकोफ्रेंडली होगा। परिवहन सेवाएं पूरी तरह से व्यवस्थित होंगी। इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग होगा। शहर पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त होगा। बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल बनाए जाएंगे। मनोरंजन के साधनों से भरपूर शहर की नाइट लाइफ भी अच्छी होगी ताकि बाहर से आने वाले लोगों को अच्छा माहौल मिल सके। बिजली, सीवर, पानी व टेलीफोन लाइन अंडर ग्राउंड होंगी। समूचे शहर में कोई भी लाइन अथवा बिजली के तार बाहर दिखाई नहीं देंगे। मंडी भी इसमें विकसित की जाएंगी। एयरपोर्ट के साथ मेट्रो व बस सेवा से समूचे शहर जुड़ेगा। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की सामुदायिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। छह माह के अंदर इसकी डीपीआर तैयार हो जाएगी। यमुना प्राधिकरण केंद्र और प्रदेश सरकार की स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को साकार करेगा। जिले के लोगों को भी इसका लाभ होगा। उनके लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मनु शर्मा और संतोष सिंह को नहीं मिली रिहाई

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : जेसिका लाल की हत्या के दोषी मनु शर्मा और प्रियदर्शनी मट्टू हत्याकांड के दोषी संतोष सिंह की तिहाड़ जेल से होने वाली संभावित रिहाई एक बार फिर से रुक गई। शुक्रवार को दिल्ली के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन की अध्यक्षता में सेंटेंस रिव्यू बोर्ड की बैठक में 200 कैदियों की रिहाई पर चर्चा हुई। हालांकि 31 कैदियों की रिहाई की सिफारिश को मंजूरी दे दी गई। मनु और और संतोष के मामले भी रखे गए। इसमें से संतोष सिंह की फाइल निरस्त करने की सिफारिश की गई है, जबकि मनु शर्मा की फाइल को वापस भेजने की सिफारिश की गई है।

अब जिन 31 कैदियों की रिहाई की सिफारिश की गई है उनकी फाइल एलजी ऑफिस भेजी जाएगी। बोर्ड में उम्रकैद पाए ऐसे कैदियों के मामले रखे जाते हैं, जो अपनी सजा के 13-14 साल या इससे अधिक सजा पूरी कर चुके होते हैं। इस दौरान उनके व्यवहार, पैरोल और फरलो मिलने के बाद समय पर सरेंडर आदि पर गौर किया जाता है।

दवा खाने के साथ करें योग तो जल्द भागेगा मधुमेह रोग

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल, किडनी खराब होने सहित कई जानलेवा बीमारियों का कारण मधुमेह है। लेकिन इस बीमारी को नियंत्रित कर स्वस्थ जीवन व्यतीत किया जा सकता है। मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए अच्छी खबर यह है कि यदि दवा के साथ-साथ नियमित योग किया जाए तो इस बीमारी को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही दवा की खुराक भी कम की जा सकती है। यह बात एम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन में सामने आई है।

एम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. पुनीत मिश्रा ने कहा कि अध्ययन को जल्द ही मेडिकल जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा। बताया कि एम्स ने दक्षिणपुरी में यह परियोजना करीब एक साल पहले शुरू की थी। इसके तहत करीब चार हजार लोगों की स्क्रीनिंग करके 400 मधुमेह पीड़ितों का चयन किया गया। इसके तहत 200 मरीजों को दवा के साथ तीन माह तक योग भी कराया गया। जबकि 200 मरीजों ने सिर्फ दवा दी गई।

उन्होंने कहा कि अध्ययन में शामिल मरीजों की एचबीए1सी जांच की गई। इसकी रिपोर्ट से पता चलता है कि ब्लड शुगर का स्तर कैसा रहा। एचबीए1सी का स्तर 6.5 फीसद से अधिक होने का अर्थ है कि मधुमेह की बीमारी है। अध्ययन में यह पाया गया कि सिर्फ दवा का इस्तेमाल करने वाले मरीजों का एचबीए1सी का स्तर स्थिर रहा। दवा के साथ योग करने वाले मरीजों में एचबीए1सी के स्तर में औसतन 0.6 फीसद का सुधार हुआ। कई में इससे अधिक भी सुधार देखा गया है। मधुमेह के नियंत्रण के लिए योग का विशेष मॉड्यूल तैयार किया है। यह मॉड्यूल 50 मिनट का है। मेडिकल जर्नल में यह अध्ययन प्रकाशित होने के बाद उस मॉड्यूल को ऑनलाइन भी जारी किया जाएगा।

कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम में देश सक्षम : डॉ. हर्षवर्धन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि कई संक्रामक बीमारियों की पहले रोकथाम की गई है। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम में भी देश सक्षम है। इसके लिए सरकार पूरी तरह सतर्क है। वह एम्स में इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन (आइपीएचए) की ओर से आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि 21 हवाई अड्डों पर पांच हजार से अधिक उड़ानों से आने वाले करीब 5,19,784 यात्रियों की स्क्रीनिंग की गई है। इसके अलावा छोटे-बड़े बंदरगाहों पर भी 12,431 यात्रियों की स्क्रीनिंग की है। तीन हजार संदिग्ध मरीजों की जांच की जा चुकी है, जिसमें से सिर्फ तीन लोगों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में हमें इबोला वायरस के संक्रमण की रोकथाम का अनुभव है।

'विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर करेंगे काम'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को विश्व का सबसे खूबसूरत एवं आधुनिक शहर बनाने के सपने को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने शनिवार को केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी से उनके आवास पर औपचारिक मुलाकात की है। इसके बाद कहा कि दिल्ली के विकास के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम किया जाएगा।

दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले ज्यादातर मामले केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय से ही प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित हैं। दोनों ही नेताओं ने दिल्ली को सबसे खूबसूरत और बेहतरीन शहर बनाने की दिशा में साथ मिलकर काम करने का फैसला लिया। शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले ज्यादातर मामले शहरी विकास मंत्रालय से ही संबंधित होते हैं। पुरी से चुनाव के बाद यह पहली मुलाकात थी। यह एक औपचारिक मुलाकात थी। हम दोनों ने यह स्वीकार किया और तय किया कि दिल्ली के लोगों और दिल्ली के विकास के लिए मिलकर अगले पांच साल काम करेंगे। दोनों का सपना है कि दिल्ली देश की राजधानी के साथ ही दुनिया का सबसे खूबसूरत शहर बने। दिल्ली के लोगों को और ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए और दिल्ली को सुंदर व अच्छा बनाने के लिए उनके मंत्रालय के साथ मिलकर सरकार काम करेगी।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी से चर्चा करते सीएम अरविंद केजरीवाल। सौ. दिल्ली सरकार

मुख्यमंत्री ने दिल्ली हिंसा से पीड़ित लोगों को तत्काल मदद पहुंचाने को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा अभी दिल्ली सरकार पीड़ितों को राहत और पुनर्वास के लिए लगी है। वह खुद संबंधित अधिकारियों से रोजाना इस संबंध में विस्तृत जानकारी ले रहे हैं। साथ ही दिल्ली सरकार जमीन पर भी काम कर रही है। इस बीच सीएम ने कहा कि यदि जरूरत हुई तो इसके लिए केंद्र सरकार से भी मदद ली जाएगी।

अयोध्या पर्व

सांसद लल्लू सिंह बोले, अयोध्या में इन दिनों हिंदू-मुस्लिम में एकता देखने योग्य, सभी बड़े ही प्यार से बिता रहे हैं जीवन

दुनिया को हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का पैगाम देगी अयोध्या नगरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आने वाले दिनों में अयोध्या नगरी पूरी दुनिया को हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का पैगाम देगी। इसके लिए अयोध्या के लोग पूरी तरह से तैयार हैं। यह कहना है फैजाबाद से भाजपा सांसद लल्लू सिंह का। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित अयोध्या पर्व कार्यक्रम में उन्होंने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा पर दुख जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी धर्मों के लोगों को शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लोगों से कहा कि दिल्ली में हो रही हिंसा से देश में नफरत फैल रही है। इसे आपसी भाईचारे से ही रोका जा सकता है।

लल्लू सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर बनने का रास्ता अब पूरी तरह से साफ हो चुका है। वहीं, ट्रस्ट का भी गठन हो चुका है, जो मंदिर के बनने की रूपरेखा तैयार कर रहा है।

सभी धर्मों के लिए महत्वपूर्ण है अयोध्या : डॉ. कृष्ण गोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि अयोध्या सिर्फ हिंदुओं के लिए ही नहीं, बल्कि जैन, बौद्ध और सिख धर्म के लिए भी महत्वपूर्ण नगरी है। अयोध्या भगवान राम की जन्मभूमि होने के साथ जैन धर्म के पांच तीर्थंकरों का जन्म स्थान भी है। यहां भगवान बुद्ध ने भी 16 बार वार्तुमास किया था। वहीं गुरु नानक देव और गुरु गोविंद भी अयोध्या में रुके थे। उन्होंने कहा कि एक हजार वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद दुनिया को हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का बड़ा पैगाम रामनगरी से जाएगा, जिसे दुनिया देखेगी। अयोध्या की वर्तमान स्थिति के बारे में उन्होंने कहा कि अयोध्या में इन दिनों हिंदू-मुस्लिम में एकता देखने योग्य है। हिंदू मुस्लिमों के यहां और मुस्लिम हिंदुओं के यहां हर छोटे-बड़े कार्यक्रम में जाते हैं। सभी बड़े ही प्यार से अपना जीवन बिता रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर बनने का काम ट्रस्ट देख रहा है, लेकिन इससे पहले सरकार अयोध्या के विकास पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर को देखने के लिए देश-विदेश से लोग आएंगे। लोगों को अयोध्या तक पहुंचने में दिक्कत न हो इसके लिए केंद्र सरकार अयोध्या में रेलवे लाइन का दोहरीकरण कर रही है। इसके अलावा अयोध्या की मुख्य सड़कें फोर लेन की जा रही हैं। अयोध्या आने वाले सभी लोगों की सुविधा का ध्यान रखा जाएगा।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित अयोध्या पर्व में राम दरबार के साथ फोटो खिंचवाते लोग। जागरण

इतिहास बन जाएंगे रेलवे के प्रिंटिंग प्रेस

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : शकूरबस्ती सहित भारतीय रेलवे के सभी प्रिंटिंग प्रेस जून के बाद इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएंगे। रेलवे बोर्ड ने इन्हें 30 जून तक बंद करने का फैसला किया है।

कर्मचारी इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि 2017 में भी रेल प्रशासन ने शकूरबस्ती स्थित प्रिंटिंग प्रेस को बंद करने का फैसला किया था, लेकिन कर्मचारियों के विरोध के कारण रेल प्रशासन ने आदेश वापस ले लिया था। उसके बाद स्पेन से 16 करोड़ की प्रिंटिंग मशीन मंगवाई गई और 60 लाख रुपये की लागत से नई इमारत भी बनी है। इतने पैसे खर्च करने के बाद अब इसे बंद किया जा रहा है। टिकट, रेलवे पास सहित अन्य दस्तावेज छापने के लिए भारतीय रेलवे में कुल 14 प्रिंटिंग प्रेस थे। वर्ष 2009 में इन्हें बंद करने का खाका तैयार किया गया था। एक-एक करके प्रिंटिंग प्रेस बंद किए जा रहे हैं। अब मात्र पांच प्रेस रह गए हैं।